

हे कान्हा मोहे, बहुत सतावत तोरी अख्यां हे कान्हा मोहे, बहुत सतावत तोरी अख्यां **Bhajans** **Bhakti Songs**

हे कान्हा मोहे, बहुत सतावत तोरी अख्यां
हे कान्हा मोहे, बहुत सतावत तोरी अख्यां

चहुँ दिस में कहूँ ठौर नाही मोहे , मोरे पीछे पीछे आवत तोरी अख्यां,
हे कान्हा मोहे, बहुत सतावत तोरी अख्यां II

मेरो मन मंदिर में ऐसो बसो है , मोहे हर पल लुभावत तोरी अख्यां,
हे कान्हा मोहे, बहुत सतावत तोरी अख्यां II

त्रिभुवन में कोई ऐसो नाही, जैसो तीर चलावत तोरी अख्यां,
हे कान्हा मोहे, बहुत सतावत तोरी अख्यां II

भवसागर में भटक रहा हूँ, काहे नाही पार लगावत तोरी अख्यां,
हे कान्हा मोहे, बहुत सतावत तोरी अख्यां I

<https://www.bharattemples.com/hye-kanha-mohenbahut-satawat-tori-ankhiya/>



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw>